

Anjali Ki Dastaan अंजली की दास्तान

Author: Unknown
Hindi Fonts By: Sinsex

Anjali came from an upper middle class, business-oriented and respected family from Andhra and got married to a family who were trustees to a large temple and also had several business interests and political connections as well. Her in-laws were very rich and everyone in her family was very happy when she got married. On her first night, Anjali came to know that her husband was not capable of having an erection. She did not speak about it to anyone but thought that these things happen first time round. But things did not change and she soon realized that this was a problem. Within a month, she discovered from medical reports that her husband had erectile dysfunction due to hypogonadism and it was not curable. However, she stayed on for three more months and showed normal behaviour to her parents that everything was fine. But her in-laws were aware that things had not improved. After 4 months she spoke to her mother in-law who told her that they were hoping that marriage will bring a cure to her son's problem but this had not happened. A few days later, her in-laws agreed for divorce provided Anjali and her parents kept their mouth shut - and also paid her astronomical sum. Exactly a year after a marriage, Anjali got the divorce.

Anjali had had a secret affair at college and had been fucked several times before marriage and loved to fuck. During this one year, Anjali, masturbated like crazy as she went mad

with lust and desire and just wanted to be fucked – if just once. But because of her in-laws connections and position, she dared not do anything that will anger them. It was enough that they were paying so much and letting her go. Soon after divorce Anjali decided to move away from Andhra and go to a new place to start her life. A close friend of hers who was in Bangalore asked her to come over and settle down in Bangalore and arranged for a job interview at her office. One fine day she boarded a train to Mangalore from where she was going to catch a bus to Bangalore and reach the night before the interview date. But the biggest problem was the train which was supposed to reach Mangalore at 7:30 pm, actually reached at 11:15 pm. In Mangalore there are two stations, one is Mangalore station and the other Konkanpath railway station at Kankandi. Mangalore city is 7-8 km from there. This place was fully deserted except for a few people.

Anjali looked around the platform and could only see coolies and beggars ogling at her. She was wearing a pullover with chain in front and tight jeans with high-heeled sandals. She felt glad that she just had just one trolley suitcase. She went out of the station, hoping to find a taxi that will take her to Bangalore. To her horror, she did not find any taxi – there were few cars but no drivers around. She noticed an rickshaw and walked up to it. The rickshaw man, who was sleeping was

shocked on seeing her when she woke him up.

“सुनो, मुझे बस स्टेशन तक छोड़ दोगे? बैंगलौर की बस पकड़नी है,” she asked.

The rickshaw man was wearing a full T-shirt and lungi and replied, “नहीं, रात को रिक्शा चलाना मना है, पुलिस पकड़ लेगी, और फिर अब बैंगलौर की बस सुबह सात बजे ही मिलेगी।”

“देखो, मुझे हर हालत में बैंगलौर सुबह पहुँचना है। प्लीज मुझे ले चलो, मैं पैसे दूँगी।”

The rickshaw man said: “आपको अकेले नहीं उतरना चाहिये था स्टेशन पे.... यहाँ बहुत गुंडा लोग है और पुलिस के साथ मिला हुआ है और काफ़ी बार रेप कर चुका है आप जैसे लोगों का.... और ब्लू फिल्म बना के ब्लैकमेल करता है। मेरा एक दोस्त है, जिसका एक छोटा सा ट्रक बैंगलौर जाता है और यहाँ से करीब बारह बजे निकलता है। मैं उसको फोन करके यहाँ से आपको ले जाने को बोल सकता हूँ।”

“ठीक है, तुम मुझे ट्रक में बिठा दो, मैं पैसे दूँगी”, Anjali said relieved.

“ठीक है, आप रिक्शा में बैठो, वोह एक किलोमीटर मेन रोड तक जाना पड़ेगा, जहाँ पे मैं ट्रक को रोकूँगा.... एक पोस्ट ऑफिस के पास।”

Anjali sat on the rickshaw and he drove into completely deserted area and stopped in front of a post-office. The road was very dimly lit and there was no one – no house on either side and just some small shops that were all closed. Anjali got down from the rickshaw and went to the verandah of the post office and sat down on the bench. There was a dial phone on the verandah. He went to the dial phone but it was not working. The rickshaw man asked Anjali for her cell and dialed a number and spoke in local language and then said, “काम हो गया.... एक घंटे बाद ट्रक आयेगा, मैं बिठा दूँगा।”

“कितना पैसा लगेगा?” Anjali asked.

“वोह ट्रक वाला बतायेगा..... पर मैं पाँच सौ रुपैये लूँगा और आपको चोदूँगा भी....” the rickshaw man said with a sudden dirty smile.

“क्या???” Anjali was shocked beyond disbelief.

“हाँ, फोकट में आपको ट्रक में नहीं बिठाऊँगा। पाँच सौ रुपैया रोड तक ले जाने का, और ट्रक में बिठाने की कीमत आपके साथ चुदाई।”

“क्या बकवास है, तुम अभी कुछ देर पहले गुंडों की बातें कर रहे थे और अब खुद ऐसी बात कर रहे हो....?” Anjali said controlling her anger.

“मैडम आपको पता है मैं उनके जैसा

नहीं हूँ, मेरा लंड आपकी ये टाईट गाँड और ये सामने की चूचियाँ देख के ऐसा खड़ा हुआ है कि पूछो मत।” Saying this he brought his hands in front of his lungi and caught his tool. “मैं रेप करने वाला इंसान नहीं हूँ, मस्त चोदने वाला इंसान जरूर हूँ।”

Anjali was taken aback but was also impressed with his honesty. Her eyes wandered down to where his hand was holding his tool and she was further shocked by the fact that he was not wearing any underwear !! Meantime, the rickshaw वाला laughed and took a cigarette and started to smoke just looking at her and he didn't make any move. Something was happening to Anjali sitting in that rickshaw and watching this man with his erect tool over the lungi. She noticed a drop of wetness on the lungi and a current went through her. While she sat there undecided and wondering what to do next, the rickshaw man undid his lungi and revealed his erect cock to her !!

अंजली अपनी नज़र नहीं हटा पा रही थी पर वो ये सब एक अंजान आदमी से करवाना भी नहीं चाह रही थी। पर खड़ा लंड देख कर वो पागल सी हो उठी। एक साल से उसने चुदने की बात तो छोड़ो, उसने एक खड़ा लंड देखा भी नहीं था। पता नहीं अंजली को क्या हुआ, उसने पागल की तरह अपना हाथ बढ़ा कर लंड को पकड़ लिया। पकड़ते ही उसकी चूत गीली होने लगी और वो आपे से बाहर हो गयी। रिक्शा वाला पीछे हटा और

जल्दी से रिक्शा से एक मोटी सी चादर ले के आया और बरामदे में बिछा दी।

“अरे मैडम, अब आपको मैं अच्छे से चोदूँगा।” ये कहते ही उसने अंजली के पुलोवर की चेन नीचे खींच दी और उसकी चूचियों को ब्रा के ऊपर से पकड़ कर मसलने लगा। अंजली ने हाथ पीछे ले जा कर ब्रा का हूक खोल दिया और अब रिक्शा वाला उसकी चूचियाँ चूसने लगा। अंजली का एक हाथ उसके लंड के ऊपर था और रिक्शा वाले का एक हाथ अंजली की जींस खोलने पे जुटा हुआ था। उसका दूसरा हाथ अंजली की एक नंगी चूची पे था और वो ऐसे मसल रहा था जैसे कोई आटा गूँथ रहा हो। रिक्शा वाले ने अंजली कि जींस और पैंटी खींच कर पूरी उतार दी और अब वो सिर्फ अधखुले पुलोवर और लटकती ब्रा और हाई हील के सैंडलों में खड़ी थी।

रिक्शा वाले को जल्दी मची थी और उसने अंजली को चादर पे लिटा दिया और टाँगें फैलाते हुए वो अंजली की चूत पे मुँह लगा कर चोदने लगा। अंजली मानो पगल हो गयी थी और वो चुदना चाहती थी। उसने रिक्शा वाले के सर के बाल पकड़ कर उसे ऊपर खींचते हुए कहा, “पहले चोदो, बाद में कुछ और करना..... बस मुझे चोद डालो।”

रिक्शा वाले ने फिर से एक गंदी smile दी और एक ही झटके में उसने अपना लंड

अंजली की गंगा सी बहती चूत में घुसेड़ दिया और गपागप की आवाज़ से चोदने लगा। उसके कपड़े गंदे थे और नीचे चादर भी गंदी थी पर अंजली को ये सब की परवाह नहीं थी.. वो तो चूत में सिर्फ़ एक लंड लिये हुए झड़ना चाहती थी.. अपनी अँगुली से नहीं।

उसे झड़ने में ज्यादा देर नहीं लगी... और कुछ ही देर बाद रिक्शे वाले ने भी उसकी चूत अपने रस से भर दी और जब तक वो अच्छे से पूरा झड़ नहीं गया, उसने अपना लंड निकाला नहीं और फिर वो अंजली के ऊपर से उठ गया।

अंजली एक मिनट तक वैसे ही पड़ी रही। फिर उसने उसी चादर से अपनी चूत पोंछ ली और कपड़े पहन के तैयार हो गयी और बरामदे में एक बेंच के पास खड़ी हो गयी। बेंच के पास खड़े हुए अंजली को ख्याल आया। उसकी प्यास अभी भी बुझी नहीं थी। उसने इशारे से रिक्शे वाले को बुलाया। रिक्शा वाला अपनी लुंगी पहन चुका था और सिगरेट पी रहा था।

“सुनो! पाँच सौ रुपये और चाहिये?”
उसने पूछा।

“जी, क्या करना होगा?”

“कुछ नहीं, मैं बेंच के ऊपर झुक कर खड़ी हो जाती हूँ, मुझे कुतिया की तरह

पीछे से चोदो,” अंजली ने कहा।

रिक्शे वाले की सिगरेट उसके मुँह से निकल कर गिर पड़ी और उसका लौड़ा खड़ा होने लगा। अंजली ने उसके जवाब का इंतज़ार भी नहीं किया। वो तो एकदम मस्त हो गयी थी... उसने अपनी जींस और पैंटी अपने घुटनों तक नीचे कर दी और बेंच के ऊपर झुक कर अपनी गाँड़ दिखाते हुए खड़ी हो गयी।

रिक्शे वाले ने ज़रा भी देर नहीं की और वो फिर से उसकी चूत में लंड पेलने लगा और थोड़ी देर के बाद वो भी उसकी पीठ के ऊपर झुक गया और पुलोवर की चेन नीचे करके और ब्रा को चूचियों के ऊपर करके, वो अंजली की नंगी चूचियाँ कस कर मसलने लगा और अंजली फिर झड़ने लगी।

अंजली ने फिर उसी चादर से अपनी चूत से उसका रस साफ़ किया और तैयार हो गयी। अंजली ने उसे दो हज़ार रुपये दिये और रिक्शा वाला बहुत खुश हो गया। पाँच मिनट के बाद ट्रक आ गया। अंजली ने देखा कि ट्रक के आगे में तीन आदमी बैठे थे।

अंजली ने देखा कि ट्रक अभी रुका भी नहीं था कि रिक्शे वाला जोर से दौड़ कर ट्रक के पास पहुँच गया। अंजली अपनी जगह पे खड़ी रही। ट्रक छोटा था और ढका हुआ था। ट्रक में क्या सामान

रखा था ये नहीं दिख सकता था। सामने तीन आदमी बैठे थे जोकि सब लगभग ३० की उम्र के थे।

ट्रक से एक आदमी नीचे उतरा और रिक्शे वाले से बात करने लगा। वो आदमी बात रिक्शे वाले से कर रहा था पर अंजली को घूर-घूर के देखे जा रहा था। अंजली को शक हो गया कि उसके साथ क्या होने वाला है और वो सिहर उठी। उसे ये जरा भी बुरा नहीं लग रहा था कि ट्रक वाला उसे मन ही मन नंगा कर रहा था।

थोड़ी देर बाद रिक्शे वाला उसके पास आया और बोला कि, “वो मान गये हैं और आपको बंगलौर के सेंट्रल बस स्टैंड पर छोड़ देंगे और हजार रुपयें लेंगे।” इससे पहले कि अंजली कुछ कहती, रिक्शे वाले ने उसका सूटकेस उठाया और अंजली उसके साथ ट्रक के पास पहुँच गयी।

ट्रक वाले आदमी ने अंजली को नमस्ते किया और बोला कि, “आगे जगह नहीं है, और फिर अगर पुलिस ने देख लिया तो मुश्किल हो जायेगी।” इसलिये उसने अंजली को पीछे ट्रक के अंदर बैठने को कहा। “पीछे से दरवाजा बंद भी रहेगा और अंदर एक छोटी सी कार्पेट है, आप उस पर आराम कर सकती हैं।”

अंजली मान गयी और ट्रक के अंदर चढ़

गयी। रिक्शे वाले ने सूटकेस अंदर रख दिया और अंधेरे में उसने जाते-जाते अंजली कि चूंची कस कर दबा दी। उस आदमी ने ट्रक बाहर से बंद कर दिया और खिड़की से अंदर झाँक कर बोला, “आप आराम से सो जाओ, सुबह जगा देंगे।”

The truck started and Anjali looked around in the very dim light coming through a small window. There were several boxes in one corner containing some paints. Half the inside was empty and there was a thick carpet 3-4 ft wide where she lied down. She was unable to sleep due to the motion and she knew that before long she would be fucked by all of these people. Meanwhile Anjali had called her friend and asked her to come to bus stand to pick her up.

Soon after 30 minutes, the truck stopped. The rear door opened, and the man entered inside. He was carrying a small lantern. Once inside, he bolted the door from inside and said, “देखो, हमको मालूम कि रिक्शा वाला तुमको चोदा। अब हम लोग भी बारी-बारी से तुमको चोदेगा और अगर तुम नहीं माना, तो यहीं रेप करके उतार देगा। बोलो मंजूर है?”

Anjali was shocked but extremely turned on by the frankness with this man propositioned a fuck. She said, “साले तुम लोग सब मादरचोद हो इस शहर में मजबूर लड़की मिली नहीं कि चोदे बिना मानोगे नहीं।”

“मैडम, मजबूर लड़की को यहाँ पे हम

लोग ही नहीं, पुलिस वाला लोग भी चोदता है.... ये बस और ट्रेन स्टेशन पर कितना अकेला लड़की ऐसे चुद जाता है, किसी को पता नहीं चलता।” Saying this he knelt down in front of her and started opening her jeans. He pulled her jeans down and over her high-heeled sandals and made her lie down on the carpet. In no time he had removed his धोती. He was desperate to lick her cunt for some reason which Anjali could not understand. But soon the man explained.

“मैडम, आप बहुत गोरी हो। मैंने आज तक गोरी लड़की को चोदना छोड़ो, उसका चूत तक नहीं देखा।” Saying this, he pulled down her panty and focussed the lantern on her चूत. Anjali could see his eyes popping out and before she realized what was happening, he dived between her legs and started licking her cunt. The man was obsessed with a fair skinned girl because he was extremely excited and was making comments like “ये तो देवी का चूत है” etc etc.

After his initial enthusiasm where he was going very aggressively, he settled down into nice rhythmic licking and she closed her eyes and started to enjoy the lick. His hands moved up and Anjali helped him when he struggled in opening the pullover zipper.

Soon, Anjali heard the man asking her to piss a little. Anjali was really horny now and gave a mouthful of her piss to the man who was waiting with his mouth open. He had no problems in drinking her mouthful of piss and dived really deep into her choot as if he had drunk an energy drink. In no time, Anjali came.

The man looked up at her, and she saw in the lantern light that the man's face was covered in her juice and she could smell her own piss. The man had a big smile on his face and while kneeling next to her, slid his underwear down and in no time was pumping away at her cunt. For the third time that night Anjali's cunt was enjoying a full grown cock which she had never even touched for more than a year. The man's excitement accelerated his ejaculation and in no time he spent inside her.

The man got up panting and went out leaving the door open. Soon, expectedly, the next man came. He was also well built and was also in a hurry. He opened his धोती and exposing his big cock, he smiled at Anjali. This was much bigger and thicker than the two previous cocks and she wanted to suck it badly. The man understood her intention and said: “आ साली, आ इसको चूस... खूब रस भरा लंड है मेरा।”

अंजली पागल सी हो गयी थी और वो उस आदमी के पास सामने बैठ गयी।

The man positioned himself on a big box and Anjali started sucking his huge cock. She was wild now and did not think about anything except that she wanted what she had been missing for so long. वो अच्छे से चूसती रही और वो आदमी उसके बालों को पकड़ कर हिलाता रहा।

After few minutes of sucking his cock, Anjali's cheeks started feeling the ache and she stopped. The man now held her face in both his hands and started slow fucking motions inside her mouth. Anjali

was feeling a bit suffocated but she wanted to drink his semen and the man obliged with a real stream which even fell down from the sides of her mouth.

“वाह, उस रिक्शे वाले ने सही कहा था कि तू माल है.... माला मैं अभी जाता हूँ, मेरा एक और साथी बाकी है.... मैं फिर सुबह आकर तुमको चोदूँगा”

Anjali was no longer shocked at such language but felt more horny than ever.

थोड़ी देर बाद तीसरा आदमी घुसा। He was medium built but tall. He also got down to business straight away and pulled off her bra and started sucking and squeezing her tits. Anjali moved her hand down below his धोती and was a bit disappointed when she held his erect cock because it was short and thin. More like a boy's penis, she thought.

The man said, “मैडम, मेरा लंड छोटा है पर मैं अच्छा चोदता हूँ। मेरा छोटा लंड के चलते मेरा बीवी अपना गाँड में मेरा लंड बहुत लेता है और उसको दर्द नहीं होता। आप बोलो तो मैं आपका गाँड मार दूँ.....”

Anjali's desire now knew no boundaries. Her boy-friends had fingered her asshole but never fucked it. She quickly bent over a large box and this man applied her cunt juice on her गाँड का छेद और उसने फिर धीरे-धीरे उसकी गाँड में धक्का लगाया। अंजली दर्द से उठ के सीधी खड़ी हो गयी।

“ऐसे अंदर नहीं जायेगा, ये जरूर आपका पहला बार है। आप रुको, मैं अभी आया”

थोड़ी देर बाद वो एक नारियल तेल की बोतल ले के आया। अंजली फिर झुक के खड़ी हो गयी और उस आदमी ने बहुत प्यार से पूरे पुठे और उसकी गाँड पे अच्छे से तेल लगा कर मालिश की। उसने तेल के सहारे अपनी अँगुली घुसा घुसा कर अंजली की गाँड को चुदवाने के लिये तैयार कर दिया। अंजली तो मानो सातवें आसमान पे थी। उस आदमी ने बड़े अच्छे से उसकी गाँड मारी।

Anjali was speaking obscenities like, “हाँ मार दो मेरी अनचुदी गाँड और रस से भर दो” etc etc.

After wiping her चूत and गाँड of all the sperm with a piece of cloth, Anjali went to sleep naked except the high-heeled sandals that she had on all this time.

At about 4 AM in the morning, as promised, the man with the big penis came again and fucked her while the truck was moving slowly. He must be the boss of these three as he got her twice, Anjali realized. She went back to sleep and the next thing she knew that she was being woken up, “मैडम बस स्टैंड आ गया.... आपका फ्रेंड बाहर खड़ा है”